Vol II Issue XII June 2013

Impact Factor : 1. 2018

ISSN No :2231-5063

Monthly Multidisciplinary Research Journal

Golden Research Thoughts

Chief Editor
Dr.Tukaram Narayan Shinde

Publisher
Mrs.Laxmi Ashok Yakkaldevi

Associate Editor
Dr.Rajani Dalvi

Honorary
Mr.Ashok Yakkaldevi

IMPACT FACTOR : 1. 2018

Welcome to ISRJ

RNI MAHMUL/2011/38595 **ISSN No.2230-7850**

Indian Streams Research Journal is a multidisciplinary research journal, published monthly in English, Hindi & Marathi Language. All research papers submitted to the journal will be double - blind peer reviewed referred by members of the editorial Board readers will include investigator in universities, research institutes government and industry with research interest in the general subjects.

International Advisory Board

Flávio de São Pedro Filho
Federal University of Rondonia, Brazil

Kamani Perera
Regional Centre For Strategic Studies, Sri Lanka

Janaki Sinnasamy
Librarian, University of Malaya [Malaysia]

Romona Mihaila
Spiru Haret University, Romania

Delia Serbescu
Spiru Haret University, Bucharest, Romania

Anurag Misra
DBS College, Kanpur

Titus Pop

Mohammad Hailat
Dept. of Mathmatical Sciences, University of South Carolina Aiken, Aiken SC 29801

Abdullah Sabbagh
Engineering Studies, Sydney

Catalina Neculai
University of Coventry, UK

Ecaterina Patrascu
Spiru Haret University, Bucharest

Loredana Bosca
Spiru Haret University, Romania

Fabricio Moraes de Almeida
Federal University of Rondonia, Brazil

George - Calin SERITAN
Postdoctoral Researcher

Hasan Baktir
English Language and Literature Department, Kayseri

Ghayoor Abbas Chotana
Department of Chemistry, Lahore University of Management Sciences [PK]

Anna Maria Constantinovici
AL. I. Cuza University, Romania

Horia Patrascu
Spiru Haret University, Bucharest, Romania

Ilie Pintea,
Spiru Haret University, Romania

Xiaohua Yang
PhD, USA

Nawab Ali Khan
College of Business Administration

Editorial Board

Pratap Vyamktrao Naikwade
ASP College Devrukh,Ratnagiri,MS India

R. R. Patil
Head Geology Department Solapur University, Solapur

Rama Bhosale
Prin. and Jt. Director Higher Education, Panvel

Salve R. N.
Department of Sociology, Shivaji University, Kolhapur

Govind P. Shinde
Bharati Vidyapeeth School of Distance Education Center, Navi Mumbai

Chakane Sanjay Dnyaneshwar
Arts, Science & Commerce College, Indapur, Pune

Awadhesh Kumar Shirotriya
Secretary, Play India Play (Trust),Meerut

Iresh Swami
Ex - VC. Solapur University, Solapur

N.S. Dhaygude
Ex. Prin. Dayanand College, Solapur

Narendra Kadu
Jt. Director Higher Education, Pune

K. M. Bhandarkar
Praful Patel College of Education, Gondia

Sonal Singh
Vikram University, Ujjain

G. P. Patankar
S. D. M. Degree College, Honavar, Karnataka

Maj. S. Bakhtiar Choudhary
Director,Hyderabad AP India.

S.Parvathi Devi
Ph.D.-University of Allahabad

Sonal Singh

Rajendra Shendge
Director, B.C.U.D. Solapur University, Solapur

R. R. Yalikar
Director Managment Institute, Solapur

Umesh Rajderkar
Head Humanities & Social Science YCMOU, Nashik

S. R. Pandya
Head Education Dept. Mumbai University, Mumbai

Alka Darshan Shrivastava
Shaskiya Snatkottar Mahavidyalaya, Dhar

Rahul Shriram Sudke
Devi Ahilya Vishwavidyalaya, Indore

S.KANNAN
Ph.D , Annamalai University,TN

Satish Kumar Kalhotra

Address:-Ashok Yakkaldevi 258/34, Raviwar Peth, Solapur - 413 005 Maharashtra, India
Cell : 9595 359 435, Ph No: 02172372010 Email: ayisrj@yahoo.in Website: www.isrj.net

Golden Research Thoughts
Volume 2, Issue. 12, June. 2013
ISSN:-2231-5063 Available online at www.aygrt.isrj.net

ORIGINAL ARTICLE

मानवाधिकार का संरक्षण एवं लोक अदालत – एक अध्ययन

कुसुम दीक्षित

प्रभारी प्राचार्य
एम.बी. खालसा लॉ कॉलेज इंदौर डॉ. विश्वास चौहान स्टेट लॉ कॉलेज, भोपाल

सारांश

वर्तमान समय के मानवाधिकार की अवधारणा अत्याधिक प्रांसगिक है। विभिन्न मानवाधिकार संगठनों द्वारा इन अधिकारों की रक्षा के समर्थन में और हनन के विरोध में आवाज उठायी जाती रही है। भारत में कश्मीर मुद्दा, साम्प्रदायिक दंगे, आतंकवादी हमले बाल श्रम, बेरोजगार, कुपोषण, महिलाओं के विरूद्ध घरेलू हिंसा आदि के कारण मानवाधिकार के उल्लघंन की घटनाओं में प्रतिदिन वृद्धि हो रही है।

प्रस्तावना

मानवाधिकारों के संरक्षण में लोकअदालत एक महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वाह कर सकता है। लोकअदालत समाज के कमजोर व वंचित वर्ग को विधिक सहायता प्रदान कर महिलाओं के विरूद्ध घरेलू हिंसा के विवादो का निस्तारण कर, पारिवारिक विवाद, मोटर दुर्घटना दावा, अधिकरण,बैक लोन, बीमा दावा, विभाजन जो दैनिक जीवन से सम्बधित है में समझौता करवा कर मानवाधिकार की रक्षा कर सकता है।

मानवाधिकार की अवधारणा–

ऐसा प्रतीत होता है कि मानवाधिकार की उत्पत्ति वर्तमान का विषय है, परन्तु ऐसा कदापि नहीं है, इसकी जड़े अवीत में है। मानवाधिकार ऐसे अधिकार है जो प्रत्येक व्यक्ति को मानवप्राणी होने के कारण प्राप्त है, भले ही उसकी राष्ट्रीयता, लिंग व्यवसाय, वर्ग व सामाजिक आर्थिक स्थिति कुछ भी हो। मानवाधिकार संरक्षण अधिनियम 1993 की धारा 2 (डी) में मानवाधिकार की परिभाषा वर्णित है। इसके अनुसार मानवाधिकार का अर्थ व्यक्ति के जीवन, स्वतंत्रता समानता व गरिमा से सम्बधित उन अधिकारो से है, जो संविधान द्वारा प्रत्याभूत है या अंतर्राष्ट्रीय करारो में वर्णित है और भारत में न्यायालयो द्वारा प्रवर्तनीय है। इन अधिकारो के बिना व्यक्ति की स्थिति पशु की भांति हो जाएगी। मानव होने की धारणा के साथ ही कुछ अधिकार व स्वतंत्रताए जुड़ी हुई है जिससे वंचित होने पर मानव अपनी मानवता से वंचित हो जाता है।

लोक अदालत की अवधारणा–

भारत में प्राचीन काल से पंचपरमेश्वर की अवधारणा रही है। गाँवों के विवाद मे चौपाल पर बैठकर ग्रामीणों के द्वारा न्याय प्रदान किया जाता था। वर्तमान में उसी का विकसित रूप लोक अदालत है।

लोक अदालत का अर्थ होता है जनता की अदालत वर्तमान में यह नियमित न्याय व्यवस्था के अतिरिक्त जनता को न्याय प्रदान कर रही है। इसके लोकप्रिय होने का मूल कारण इसका अर्द्धन्यायिक संस्था होना व जटिल तकनीकि प्रक्रिया से मुक्त होना है।

लोक अदालत व मानवाधिकार–

किसी भी लोकतंत्रिक देश में मानवाधिकार का संरक्षण एक मौलिक कर्त्तव्य होता है। मानवाधिकारों के संरक्षण में लोक अदालत निःशूल्क विधिक सहायता उपलब्ध कराकर, समाज के वंचित व कमजोर वर्ग को विधिक सहायता व परामर्श प्रदान कर निम्न स्थिति में मानवाधिकार को संरक्षण प्रदान कर सकती है –

खोज – रिमांड में विधिक सहायता परामर्श योजना– जब किसी अपराधी को रिमांड में लिया जाता है तो उसे कारण जानने का मौलिक अधिकार है साथ ही अपनी पसन्द के वकील करने का भी अधिकार है। अभियुक्त को रिमांड के दौरान विधिक सहायता योजना के अन्तर्गत वकील उपलब्ध कराकर मानवाधिकारों का संरक्षण किया जा सकता है।

जेल में विधिक सहायता –

विधिक सहायता योजना के अन्तर्गत प्रत्येक जिले में वकीलों का एक पैनल गठित किया जाए जो प्रत्येक सप्ताह जेल का निरीक्षण करे तथा कैदियों से प्राप्त आवेदन, अपील, याचिका आदि में उनकी मदद करे । यदि कोई कैदी विधिक सहायता से संतुष्ट नहीं है तो वह उसके

Title : मानवाधिकार का संरक्षण एवं लोक अदालत – एक अध्ययन
Source:Golden Research Thoughts [2231-5063] कुसुम दीक्षित yr:2013 vol:2 iss:12

लिए वैकल्पिक व्यवस्था प्रदान करे ।

विधिक प्रतिनिधि–

विधिक सहायता योजना के अन्तर्गत विधिक प्रतिनिधि दो प्रकार के होते है। प्रथम जब अभियुक्त या वादी सक्षम है तो वह अपने विधिक प्रतिविधि का चुनाव स्वयं करता है, द्वितीय जिन्हे बचाव में या वाद दायर जिन्हे निःशूल्क विधिक सहायता प्रदान की जाती है।प्रत्येक अभियुक्त को विधिक सहायता अवश्य प्रदान कि जाना चाहीए किन्तु ऐसी सहायता गुणवत्ता पूर्ण हो।

महिलाओं के विरूद्ध घरेलू हिंसा–

महिलाओं के विरूद्ध घरेलू हिंसा, विवाद सुलझाने पारिवारिक विवाद हल करने व महिलाओ के विधिक अधिकार के संरक्षण में लोक अदालत महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर सकता है।

श्रमविवादो का निराकरण–

श्रमिको के मानावधिकारों की रक्षा में लोक अदालत की महत्वपूर्ण भूमिका हो सकती है। श्रम अधि. 1923 के अन्तर्गत श्रमिकों के दावो, क्षति, दुर्घटना दावा, इत्यादि का निराकरण लोकअदालत के माध्यम से किया जा कर के मानवाधिकारों की रक्षा की जा सकती है।

मोटर दुर्घटनादावा अधिकरणवाद–

लोकअदालत में सर्वाधिक मामले मोटर दुर्घटना दावा के ही होते है जिसमें पीड़ित को मुआवजा प्रदान किया जाता है व उनके विधिक अधिकारो की रक्षा की जाती है।किन्तु कई बार अज्ञात वाहन से दुर्घटना होने पर स्थायी अपन्गता हो जाती है जिसमे मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण में पर्याप्त मुआवजा नही मिल पाता अतः लोकअदालत के द्वारा उनके मुआवजे का पर्याप्त निर्धारण आपसी सहमति से किया जा सकता है।

लोकजागरूकता –

लोकअदालत द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में ग्रामीण लोक अदालत विधिक साक्षरता शिविर, सेमिनार, वर्कशाप इत्यादि का आयोजन करके जनता को उसके विधिक अधिकार के प्रति जागरूक किया जा सकता है। इसके लिए सरकार अशासकीय संगठन, जनप्रतिनिधि आदि की सहायता ली जा सकती है।

सुझाव –

मानवाधिकारों के संरक्षण के लिए आवश्यक है कि लोकअदालत में न्यायाधीश व अधीनस्थ स्टाफ की अलग नियुक्ति हो।
ग्रामीण लोकअदालत व शहरी क्षेत्रों में मेगा लोकअदालत के लिए पर्याप्त निधि हो।
लोकअदालत में राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग, राष्ट्रीय महिला मानवाधिकार आयोग व राज्य मानवाधिकार आयोग की भी भूमिका हो।
लोकअदालत के आयोजन का पर्याप्त प्रचार–प्रसार हो जिससे आम जनता की सहभागिता में वृद्धि हो। शिक्षण संस्थानों व शोध छात्रो को प्रोत्साहित किया जाए कि वह मानवाधिकार व लोकअदालत विषय पर शोध करें।

निष्कर्ष–

निसंदेह वर्तमान में लोक अदालत विधिक सहायता योजना के माध्यम से मानवाधिकार को सरंक्षण प्रदान कर रही है। हॉलाकि लोक अदालत नियमित न्यायालयों के मुकदमे के बोझ को कम नहीं कर पायी है, परन्तु विधिक साक्षरता, ग्रामीण लोक अदालत, सेमीनार, कार्यशाला आदि के माध्यम से विधिक जागरूकता पैदाकर मानवाधिकारों का संरक्षण किया जा सकता है।

संदर्भ सूची –

दिलीप जाखड , मानवाअधिकार, यूनिर्वसिटी बुक हाउस जयपूर
जी.पी.त्रिपाठी, अर्न्तराश्ट्रीय और मानवअधिकार, इलाहाबाद लॉ ऐजेंसी ,द्वितीय संस्करण 2004
बसन्ती लाल बावेल, मानवाअधिकार संरक्षण अधिनियम, सुविधा लॉ हाउस भोपाल
डॉ.चर्तुवेदी लोकहित वाद विधिक सहायता एवं विधिक सेवाए इलाहाबाद लॉ ऐजेंसी, द्वितीय संस्करण 2009
डॉ.राय लोकहित वाद विधिक सहायता एवं विधिक सेवाए तृतीय संस्करण 2004 सेन्ट्रल लॉ ऐजेंसी
डॉ.परांजपे लोकहित वाद विधिक सहायता एवं विधिक सेवाए प्रथम संस्करण 2005 सेन्ट्रल ला ऐजेंसी
सरकार एस.के.लोक अदालत और विधिक सहायता ओरिंटल पब्लिशिंग कंपनी, नई दिल्ली

// Publish Research Article
International Level Multidisciplinary Research Journal
For All Subjects

Dear Sir/Mam,

We invite unpublished research paper.Summary of Research Project,Theses,Books and Books Review of publication,you will be pleased to know that our journals are

Associated and Indexed,India

- International Scientific Journal Consortium   Scientific
- OPEN J-GATE

Associated and Indexed,USA

- EBSCO
- Index Copernicus
- Publication Index
- Academic Journal Database
- Contemporary Research Index
- Academic Paper Databse
- Digital Journals Database
- Current Index to Scholarly Journals
- Elite Scientific Journal Archive
- Directory Of Academic Resources
- Scholar Journal Index
- Recent Science Index
- Scientific Resources Database

Golden Research Thoughts
258/34 Raviwar Peth Solapur-413005,Maharashtra
Contact-9595359435
E-Mail-ayisrj@yahoo.in/ayisrj2011@gmail.com
Website : www.isrj.net